



MODEL ACADEMY

(THE PRESTIGIOUS SCHOOL OF MIER)

Q.F. No. 107

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

विषय: हिन्दी

समय: 2½ घण्टे

कक्षा: सातवीं

सत्र: 2019-20

अधिकतम अंक: 80

नाम: _____

अनुक्रमांक _____

- ✓ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सुलेख का विशेष ध्यान रखें।
- ✓ इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।
- ✓ इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

पठन

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें—

मानव—जाति और प्रकृति के लिए जल एक अमूल्य उपहार है। जल के बिना जीवन असंभव है। पृथ्वी के हर जीव को जल की बहुत आवश्यकता पड़ती है। जल तरल, ठोस एवं गैस तीनों रूपों में विद्यमान होता है। सागर, नदी, तालाब, कुओं, नहर इत्यादि जल के प्रमुख स्रोत हैं। मानव—शरीर का दो तिहाई भाग पानी होता है। यह पाचन—कार्य करने में शरीर की मदद करता है। यह हमारे शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। यह हमारे जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण घटक है। हमें जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण के उपाय करने चाहिए।

- क) जल को अमूल्य उपहार किसके लिए बताया गया है? (01)
- | | |
|----------------------------------|------------------------|
| i) मानव—जाति के लिए | ii) प्रकृति के लिए |
| iii) मानव—जाति और प्रकृति के लिए | iv) पूरी पृथ्वी के लिए |
- ख) जल कितने रूपों में विद्यमान है? (01)
- | | |
|------------------------|-----------------------------|
| i) तरल रूप में | ii) तरल, ठोस और गैस रूप में |
| iii) बहुत से रूपों में | iv) तरल और ठोस रूप में |
- ग) जल के प्रमुख स्रोत क्या है? (01)
- | | |
|--------------------|-------------------|
| i) नदी और तालाब | ii) नहर और सागर |
| iii) कुओं और तालाब | iv) उपर्युक्त सभी |
- घ) हमारे जीवन की गुणवत्ता में प्रमुख घटक क्या है? (01)
- | | |
|----------------|----------------|
| i) जल | ii) सागर |
| iii) मानव—जाति | iv) जल—संरक्षण |
- ड.) उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक है— (01)
- | | |
|------------------|----------------------|
| i) जल ही जीवन है | ii) अमूल्य उपहार |
| iii) जल संरक्षण | iv) जीवन की गुणवत्ता |
- च) मानव शरीर में कितना भाग पानी होता है? (01)
- | | |
|-----------------|-------------------|
| i) एक—तिहाई भाग | ii) चार—तिहाई भाग |
|-----------------|-------------------|

- iii) दो तिहाई भाग iv) इनमें से कोई नहीं
- छ) पाचन कार्य करने में शरीर की मदद कौन करता है? (01)
- i) प्रकृति ii) जल
- iii) हवा iv) उपर्युक्त सभी
- ज) हमारे शरीर के तापमान को कौन नियंत्रित करता है? (01)
- i) जल ii) पृथ्वी
- iii) हवा iv) प्रकृति

प्र.2 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें—

अच्छा स्वास्थ्य वह है, जिसमें शरीर एवं मस्तिष्क दोनों स्वस्थ हो। यदि शरीर हृष्ट-पुष्ट हो, परंतु मस्तिष्क अस्वस्थ हो, तो ऐसे शरीर को स्वस्थ नहीं माना जा सकता। हमारे द्वारा किया गया कोई भी कार्य मस्तिष्क के आदेश पर होता है। मस्तिष्क अस्वस्थ रहने पर कोई भी कार्य पूर्ण नहीं हो सकता। इसलिए अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर एवं मस्तिष्क दोनों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। अक्सर लोगों को स्वस्थ्य के महत्व का पता ही नहीं होता। उनकी यही अज्ञानता उन्हें स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बना देती है। यही लापरवाही दिन-प्रतिदिन उन्हें अस्वस्थ बनाती चली जाती है।

- क) अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या आवश्यक है? (01)
- ख) मस्तिष्क अस्वस्थ रहने से क्या होगा? (01)
- ग) स्वास्थ्य के महत्व को न समझने का क्या परिणाम होता है? (01)
- घ) कैसे शरीर को स्वस्थ नहीं माना जा सकता? (01)
- ड.) शरीर और मस्तिष्क कैसे स्वस्थ होते हैं? (01)
- i) अच्छा स्वस्थ्य होने से
- ii) स्वस्थ्य के प्रति लापरवाही बरतने से
- iii) अज्ञानता से
- iv) मस्तिष्क के आदेश पर
- च) मस्तिष्क का पर्याय है— (01)
- i) शरीर ii) स्वास्थ्य
- iii) चेहरा iv) दिमाग
- छ) स्वास्थ्य के प्रति मनुष्य की अज्ञानता क्या है? (01)
- i) शरीर का अस्वस्थ रहना
- ii) स्वास्थ्य के महत्व का पता न होना
- iii) अस्वस्थ रहने पर कार्य पूर्ण न होना
- iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
- ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है— (01)
- i) सेहत हजार नियामत ii) शरीर और मस्तिष्क

- iii) अस्वरथ शरीर iv) अज्ञानता
- झ) अनुच्छेद में से ऐसा शब्द चुनें जिसमें उपसर्ग तथा प्रत्यय दोनों का
उपयोग हुआ हो (01)
- ज) स्वरथ तथा ज्ञान का विलोम शब्द लिखें— (01)

रचनात्मक

- प्र.3 दो दोस्तों की परीक्षा से पहले हुई बातचीत संवाद रूप में लिखें। (05)
अथवा
घड़ी खो जाने की सूचना लिखें।
- प्र.4 किसी एक विषय पर अनुच्छे लिखें— (10)
जीवन में खेलों का महत्त्व, अहंकार विनाश का कारण है।
- प्र.5 अपने मित्र को बुरी संगति से बचने का उपाय बताते हुए पत्र लिखें। (05)

व्याकरण

- प्र.6 निर्देशानुसार करिए—
- क) वर्ण—विच्छेद करें— (02)
- i) वृक्ष ii) स्वरथ
- ख) संधि विच्छेद करें— (02)
- i) स्वागत ii) विद्यार्थी
- ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें— (02)
- i) बिना किसी कारण के ii) साथ काम करने वाला
- घ) रेखांकित कारक का भेद बताइए— (03)
- i) बिल्हौर से एक बजे रात को गाड़ी छूटती थी।
ii) विरोधी खिलाड़ी ने बड़े अविश्वास से मोहरों को देखकर अपना सिर हिलाया।
- ड.) क्रिया विशेषण को रेखांकित कर भेद बताइए— (02)
- i) कुछ देर के लिए तो आकाश से सूरज ही गायब हो जाएगा
ii) वह बिलख—बिलखकर रोता था।
- च) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करें— (03)
- i) अकबर ने प्रातः काल तक सिपाहियों की रक्षा में रहने की आज्ञा दी। (मिश्र वाक्य)

- ii) हमें अपनी गलतियों से सीखकर अपनी भूल सुधारनी चाहिए।
(संयुक्त)
- iii) विद्यालयों में छात्रों को समय-तालिका दी जाती है लेकिन वहकेवल 5–6 घंटों के लिए होती है। (सरल)
- छ) वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए— (02)
मैने कहा तुम सब इन बच्चों को धेरे खड़े हो इनकी माँ इन्हें लेने कैसे आ सकती है चलो हम बरामदे में बैठकर देखते हैं
- ज) वाक्य में से उद्देश्य-विधेय छाँटकर लिखें— (02)
- मुगलों को हिंदुस्तान के बाहर खदेड़े बगैर चित्तोङ्ग में कदम न रखँगा।
 - इन दोनों आदमियों का वेतन पंडित जी से कुछ अधिक न था।
- झ) निम्नलिखित वाक्यों में काल के भेद बताइए— (02)
- मेरे पिता कुछ दिनों बिल्हौर में डाक मुंशी रहे थे।
 - लीजिए यह राखी और यह पत्र जल्दी ही दूत के साथ बादशाह हुमायूँ के पास भेजिए।

लेखन

- प्र.7** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें— (कोई चार)
- क) 'और भी दूँ' कविता का नाम लिखें। (01)
- ख) भारत-चीन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री कौन थे? (01)
- ग) समय नियोजन से क्या अभिप्राय है? (01)
- घ) सच्चा तीर्थयात्री कहानी से क्या संदेश मिलता है? (01)
- प्र.8** प्रश्नों के उत्तर लिखें— (कोई पाँच)
- क) स्त्री ने एलिशा को देवदूत क्यों कहा? (02)
- ख) पंडित जी अपनी नौकरी क्यों बदलना चाहते थे? (02)
- ग) 'राखी का मूल्य' एकांकी धर्म की कट्टरता को तोड़ता है। कैसे? (02)
- घ) सूरदास के पदों में कृष्ण बलराम की कौन सी शिकायत माँ यशोदा से करते हैं? (02)
- ड.) सूर्यग्रहण के धार्मिक एवं वैज्ञानिक मतों का विवरण करें। (02)
- च) गाँव में मनुष्य किस प्रकार अपना मनोरंजन करते हैं? (02)

- प्र.9** भाव स्पष्ट करें—
- क) जहाँ स्नेहमय निश्छल सादे जीवन का ही क्रम है जहाँ न कोई काम तुच्छ है, अर्ध्य पा रहा श्रम है। (03)
- ख) पंडित चंद्रधर के चरित्र की विशेषताएं लिखें। (03)